हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(दूर्वा)(पाठ 15)(गीत – केदारनाथ अग्रवाल)

(कक्षा 7)

प्रश्न 1:

कविता से

क:

कवि फूलों, गीतों और विद्या की खेती क्यों करना चाहता है ?

क:

कवि फूलों गीतों और विद्या की खेती इसलिए करना चाहता है जिससे कि वह पूरे हिन्दुस्तान में ज्ञान प्रेम और सौहार्द का वातावरण बना सके ।

ख:

इसी जन्म में, इस जीवन में,
हमको तुमको मान मिलेगा।
इसमें किसे मान मिलने की बात कही गई है?

ख:

इसमें हिन्दुस्तान को मान मिलने की बात कही गई है ।

ग:

कविता की कुछ पंक्तियाँ छाँटकर लिखो जिनसे पता लगता है कि कवि को इस बात पर पूरा भरोसा है कि एक दिन सबको मान मिलेगा।

ग:

इसी जन्म में,
इस जीवन में,
हमको तुमको मान मिलेगा।

घ:

कविता में कवि बार–बार मान मिलने की बात करता है। मान मिलने से हमारे–तुम्हारे जीवन में क्या बदलाव आएगा?

घ:

मान मिलने से हमारा जीवन सुखमय और गरिमामय हो जाएगा । और पूरी दुनिया में हमारा सम्मान बढ़ेगा ।

प्रश्न 2:

समझाना

नीचे कविता में से कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। बताओ, इन पंक्तियों का क्या अर्थ हो सकता है?

क:

दीप बुझे हैं जिन आँखों के
उन आँखों को ज्ञान मिलेगा।

क:

जहॉ अज्ञानता है वहॉ ज्ञान ही ज्ञान होगा ।

खः
क्लेश जहाँ है, फूल खिलेगा।
खः
देश में जहॉ–जहॉ लड़ाई –झगड़े हो रहे हैं वहॉ सुख और शांति के फूल खिल जाएंगे ।

गः
हमको तुमको प्रान मिलेगा।
गः
हम सबको एक नई जिंदगी नया सवेरा मिलेगा ।

प्रश्न 4: रिक्त स्थान पूरे करो
नमूना
वह मोर सा नाचता है।
कः
लक्की.............की तरह गरजता है।
कः
बादल

खः
सलमा.................की तरह दौड़ती है।
खः
हिरन

गः
मेघाश्री की आवाज ....की तरह मीठी है।
गः
कोयल

घः
मनीष के कान ....की तरह तेज है।
घः
मोर

प्रश्न 5:
इन शब्दों की रचना देखो ।
अनुमान, अपमान
ये शब्द 'मान' शब्द में 'अनु' और 'अप' उपसर्ग लगाकर बनाए गए हैं। इसी प्रकार तुम भी 'मान' शब्द में कुछ दूसरे उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाओ।

उत्तर 5:
कीर्तिमान
गतिमान
प्रतिमान